गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

चयन आधारित क्रेडिट व्यवस्था की पाठ्यचर्या के अंतर्गत अधिस्नातक पाठ्यक्रम

(Choice Based Credit System)

विषय नाम :संस्कृत साहित्य

सेमेस्टरवाइज़ (BLUE PRINT)

प्रथम सेमेस्टर

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1	101	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	वैदिक वाङ्मय: ऋक्संहिता एवं निरुक्त	4
2	102	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	काव्यशास्त्र: साहित्यदर्पण	4
3	103	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DCC)	1	साहित्य: नैषधीयचरितम् और मृच्छकटिकम्	4
4	104	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	संस्कृत साहित्य में संस्कृति और सभ्यता की रूपरेखा	4
5	105	सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	4
			Total		20

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

द्वितीय सेमेस्टर

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1	201	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	साहित्य: मेघदूत और उत्तररामचरितम्	4
2	202	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	इतिहास और पुराण ग्रंथों का परिचय	4
3	203	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DCC)	1	दर्शन: न्याय और वेदांत	4
4	204	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	व्याकरण: लघुसिद्धांतकौमुदी	4
5	205	सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	भारतीय पुरालिपि शास्त्र	4
			Total		20

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

तृतीय सेमेस्टर - साहित्य शास्त्र

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1	301	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	नाट्यशास्त्र और ध्वन्यालोक	4
2	302	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	काव्यप्रकाश	4
3	303	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	व्याकरण, अनुवाद एवं निबंध	4
4	304	सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	साहित्य: वासवदत्ता और कादंबरी	4
				Total	20

तृतीय सेमेस्टर - दर्शन शास्त्र

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1	301	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	योगसूत्र और गौडपादकारिका	4
2	302	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	4
3	303	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	व्याकरण, अनुवाद एवं निबंध	4
4	304	सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	साहित्य : वासवदत्ता और कादंबरी	4
				Total	20

चतुर्थ सेमेस्टर - साहित्य शास्त्र

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1	401	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	काव्यप्रकाश	4
2	402	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	दशरूपकम् और संस्कृत काव्यशास्त्र का सर्वेक्षण	4
3	403	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	दर्शन: सांख्य और मीमांसा	4
4	404	सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	उपनिषद् दर्शन	4
				Total	20

चतुर्थ सेमेस्टर - दर्शन शास्त्र

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1	401	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	ब्रह्मसूत्र	4
2	402	विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण	4
3	403	विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	दर्शन: सांख्य और मीमांसा	4
4	404	सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	उपनिषद् दर्शन	4
				Total	20

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स

DCC

वैदिक वाङ्मय: ऋक्संहिता एवं निरुक्त

इकाई-वार प्रभाग:

इकाई: I

ऋक्संहिता 2.12 (इन्द्र), 1.115 (सूर्य), 3.33 (विश्वामित्र नदी), 5.8 (अग्नि), 9.73 (सोम), 5.80 (उषस्), 10.90 (पुरुष)

इकाई: II

ऋक्संहिता 10.117 (धनान्नदान), 10.125 (वाक्), 10.129 (भाववृत्त) वैदिक व्याकरण - वैदिकसन्धि (आन्तरिक एवं बाह्य), शब्दरूप एवं धातुरूप, तुमर्थकप्रत्यय, त्वार्थकप्रत्यय, वैदिकस्वर एवं पदपाठ

इकाई: III

निरुक्त अध्याय 1 से अध्याय 2 के प्रथम पाद तक, विशेषतः पदों का चतुर्विध विभाजन, नामाख्यात का लक्षण, षड्भावविकार, शब्दनित्यत्वानित्यत्वविचार, मन्त्रों की अर्थवत्ता, नामों के आख्यातजत्व का सिद्धान्त, उपसर्गों के द्योतकत्व अथवा वाचकत्व का सिद्धान्त, निरुक्त-प्रयोजन, निर्वचन के सिद्धान्त, अधिकारि-निरूपण, अवशिष्ट अंशों का सामान्य अध्ययन एवं निरुक्तियाँ।

निरुक्त अध्याय 2 के शेषांश से केवल निरुक्तियाँ।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

निरुक्त - अध्याय 7 – विशेषतः त्रिविधा ऋचः, अनादिष्टदैवतमन्त्र, छन्दांसि पृथिवीस्थानीय देवतावर्णन, अग्नि, जातवेदा, वैश्वानर का निरूपण, एवं निरुक्तियाँ।

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रमः

1. ऋग्वेदसंहिता (सायणभाष्यसहिता) भाग 14. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

2. कक्सूक्तसंग्रह (सम्पादक) हरिदत्तशास्त्री, साहित्यभंडार, मेरठा

3. ऋग्भाष्यसंग्रह - (सम्पादक) देवराजचानना, मुंशीलाल मनोहरलाल पब्लिशर्स, दिल्ली. 1983

4. वेदमञ्जरी - (सम्पादक) शीलाड़ागा (विद्यालंकार), विद्यानिलयम्, दिल्ली, 2001

5. वेदसमुल्लास (सम्पादक) सत्यभूषण योगी एवं वन्दितामधुहासिनी अरोड़ा, चौखम्बापब्लिशर्स, वाराणसी, 2002

6. वेदवल्लरी - (सम्पादक) पुष्पागुप्ता, ईस्टर्नबुकलिकर्स, दिल्ली, 2004 7. निरुक्तम् (कश्यपप्रजापतिकृत-निघण्टुभाष्यरूपम्), पं. मुकुन्द झा बख्शी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली. 2012

8. निरुक्त यास्क (सम्पादक) प्रो. उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 2001

9. निरुक्त-पञ्चाध्यायी- (व्याख्याकार) महामहोपाध्याय छज्जूरामशास्त्री, मेहरचन्द

लक्ष्मनदास पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1985

10. निरुक्त यास्क, टीकाद्वय सहित (सम्पादक) लक्ष्मणसरूप, भागI-II. दिल्ली, 1982

11. निरुक्त के पाँचअध्याय (सम्पादक एवं अनुवादक) पं. शिवनारायणशास्त्री, इंडोलोजिकल बुकहाऊस, दिल्ली, 1972.

Additional Resources:

1. पाण्डे, उमेशचन्द्र, वैदिक व्याकरण, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 2003

2. रामगोपाल, वैदिकव्याकरण. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

3. शशिप्रभा, कुमार वैदिकविमर्श, जे पी पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली, 1996

4. वेद पारिजात. एन.सी.ई.आर.टी.. नई दिल्ली 2014

5. शशि तिवारी - सूर्य देवता: वैदिक और वेदोत्तर संस्कृत सूर्यस्तुतियों में, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, नयी दिल्ली, 1994

6. Chaubey, Braj Bihari & Shastri, Kantanath -New Vedic Selection, Bhartiya Vidya Prakashan. Varanasi. 1981.

7. Lakshaman Sarup -Nighantu &The Nirukta (with Eng. Trans.), MLBD, Delhi, 1967.

8. Macdonell. A.A. - Vedic Mythology (Also Hindi trans. Vaidika Devashastra by Suryakanta), M.L.B.D., Delhi, 1962.

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

9. Macdonell, A.A. - Vedic Reader for Students. Oxford University Press, Delhi, 1960 10. Macdonell, A.A. - Vedic Vyakarana, Bhartiya Publishing House. Delhi. 1975.

11. Oldenberg. Herman - Religion of the Veda (translation into English by Shridhar &

Shrotri), M.L.B.D., Delhi. 1988.

12. Rajvade. V.K. - Nirukta of Yaska. Poona. 1940.

13. Renou. Louis -Destiny of the Veda in India, M.L.B.D., Delhi, 1965.

14. Winternitz. Mourice -History of Indian Literature, Vol. 1. Pt. 1-2(Translated into English by V. Srinivasa Sharma), M.L.B.D., Delhi. 1988.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक
संस्कृत साहित्य
प्रथम सेमेस्टर
विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स

DCC

काव्यशास्त्र: साहित्यदर्पण

इकाई: I

साहित्यदर्पण (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद): काव्यप्रयोजन, काव्यस्वरूप, काव्यलक्षण एवं तत्सम्बन्धी विप्रतिपत्तियों का निरास, गुण-दोषस्वरूप, वाक्य व तद्भेद, पद, शब्दव्यापार ।

इकाई: II

साहित्यदर्पण (तृतीय (परिच्छेद): रसनिरूपण, विभाव (आलम्बन, उद्दीपनपरिभाषामात्र), भाव, अनुभाव, व्यभिचारिभाव, स्थायिभाव, रसाभास, भावाभास।

इकाई: III

साहित्यदर्पण (चतुर्थपरिच्छेद): काव्यभेद- ध्वनिकाव्य व गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्य एवं उनके अवान्तर भेद एवं वैशिष्ट्य ।

साहित्यदर्पण (षष्ठपरिच्छेद): रूपक एवं उसके दशविधभेद, नाटक के अङ्ग: नान्दी, प्रस्तावना, अर्थोपक्षेपक, पञ्चअर्थप्रकृतियाँ, पञ्चकार्यावस्थाएँ, पञ्चसन्धियाँ, वृत्तियाँ, श्रव्यकाव्य एवं उसके भेद ।

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. साहित्यदर्पण – विश्वनाथ. (व्याख्याकार) निरूपणविद्यालंकार, साहित्यभण्डार, मेरठ, 2004
2. साहित्यदर्पण – विश्वनाथ. (व्याख्याकार) शालिग्रामशास्त्री, मोतीलालबनारसीदास, दिल्ली, 2004
3. साहित्यदर्पण – विश्वनाथ (व्याख्याकार) सत्यव्रतसिह, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 1988 -

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स

DCC

साहित्य: नैषधीयचरितम् और मृच्छकटिकम्

इकाई: I

मृच्छकटिकम् : प्रथम अङ्क से तृतीय अङ्क तक

इकाई: II

मृच्छकटिकम् : पञ्चम अङ्क, षष्ठ अङ्क तथा दशम अङ्क, अवशिष्ट अङ्कों का परिचय

इकाई: III

नैषधीयचरितम्: प्रथम सर्ग (पद्य सं. 1-35)

नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग (पद्य सं. 100-145), अवशिष्ट कथावस्तु का परिचय

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. नैषधीयचरितम् - दीपशिखा, रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद

2. नैषधीयचरितम् - मोहनदेव पंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

3. नैषधीयचरितम् – सुरेन्द्रदेव शास्त्री, गोकुलदास संस्कृतग्रन्थमाला, वाराणसी

4. नैषधीयचरितम् – सूर्यदेव शास्त्री, चौखम्बा ओरियण्टालिया, वाराणसी, 1975 -

5. नैषधीयचरितम् - शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1983

6. मृच्छकटिकम् (पृथ्वीधरकृत टीकासहित), निर्णय सागर प्रेस, बम्बई

7. **Mricchakatika, M.R. Kale, M.L.B.D., Delhi.**

8. **Mricchakatika, V. R. Nerurkar, New Bharatiya Book Corporation, Delhi**

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स

DSE / GE

संस्कृत साहित्य में संस्कृति और सभ्यता की रूपरेखा

इकाई: I

सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विशेषताएँ वैदिक एवं उत्तर वैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)

इकाई: II

महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) एवं पुराणों में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में 1

इकाई: III

वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय, संस्कार, प्राचीन भारत में नारी की

स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली एवं शिक्षण संस्थान

शैव, वैष्णव, बौद्ध एवं जैन धर्मों का उद्भव, विकास एवं मुख्य सिद्धान्त

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

1. उपाध्याय, रामजी. भारतस्य सांस्कृतिक-निधिः, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली ।

2. अल्तेकर, ए. एस. प्राचीन भारत में शिक्षा, दिल्ली।

3. उपाध्याय, बलदेव वैदिकसाहित्य और संस्कृति, शारदा मंदिर, वाराणसी।

4. कोसम्बी, डी. डी. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।

5. गोयल, प्रीतिप्रभा भारतीय संस्कृति, राजस्थानी ग्रन्थागार, जयपुर।

6. टण्डन, किरण. भारतीय संस्कृति, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

7. राधाकृष्णन्, सर्वपल्ली. भारतीयसंस्कृतिः कुछ विचार, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली ।

8.भण्डारकर, आर. जी. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, अनुवाद माहेश्वरीप्रसाद, भारतीयविद्याप्रकाशन, दिल्ली

9. Altekar, AS, Education in Ancient India, Delhi.

10. Bhandarkar, RG, Vaishanavism, Shaivism and minor Religious Systems, Delhi.

11. Dandekar, RN, Vedic Religion & Mythology: A Survey of the Works of SomeWestern Scholars, University of Poona, Poona, 1965.

12. Mookerjee, RK, Ancient Indian Education, MLBD, Delhi.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

सामान्य ऐच्छिक कोर्स

DSE / GE

भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र

इकाई: I

संस्कृत का भाषावैज्ञानिक विश्लेषण भाषाविज्ञान का परिचय, भाषाओं का वर्गीकरण - आकृतिमूलक एवं परिवारमूलक, भारोपीय भाषा परिवार का परिचय, भाषागत विशेषताएं, वर्ग- शतम् एवं केण्टुम् वर्ग एवं शाखाएं भारत-ईरानी शाखा, मूलभारोपीय भाषा की विशेषताएं।

इकाई: II

संस्कृत का भाषावैज्ञानिक विश्लेषण - अवेस्ता एवं वैदिक संस्कृत की विशेषताएँ एवं सम्बन्ध, वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा प्राकृत का परिचय, प्राकृतों के भेद तथा उनसे आधुनिक भाषाओं का विकास ।

इकाई: III

स्वनिम का सामान्य परिचय एवं संस्कृत की ध्वनियों का वर्गीकरण (स्थान, प्रयत्न आदि के आधार पर), ध्वनि-परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, प्रमुख ध्वनि नियम: ग्रिमनियम, ग्रासमाननियम, वर्नरनियम, तालव्यनियम, मूर्धन्यनियम। अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ एवं उसके कारण ।

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. तिवारी, भोलानाथ - तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1974

५८

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

2. तिवारी, भोलानाथ भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, 1992 -

3. व्यास, भोलाशंकर - संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, चौखम्बा विद्याभवन, 1957

4. Burrow, T., Sanskrit Language (also trans. into Hindi by Bholashankar Vyas), ChaukhambaVidyaBhawan, Varanasi, 1991

5. Crystal, David The Cambridge Encyclopedia of Language, Cambridge, 1997

6. Gune, P.D. Introduction to Comparative Philology, Chaukhamba Sanskrit

Pratisthan, Delhi, 2005.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स

DCC

साहित्य: मेघदूत और उत्तररामचरितम्

इकाई: I

पूर्वमेघ एवं उत्तरमेघ

इकाई: II

उत्तररामचरितम् - प्रथम से चतुर्थ अङ्क तक

इकाई: III

उत्तररामचरितम् पंचम से सप्तम अङ्क तक

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. उत्तररामचरितम् - आनन्दस्वरूप, सं.- जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. उत्तररामचरितम् - राम अवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1977
3. उत्तररामचरितम् – रमाकान्त त्रिपाठी, वाराणसी, 1993

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

4. उत्तररामचरितम् - रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 2005

5. मेघदूतम् - रमाशङ्कर त्रिपाठी, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

6. मेघदूतम् - संसारचन्द्र एवं मोहन देवपंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2003

7. मेघदूतम् - विजेन्द्र कुमार शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1999.

8. मेघदूतम् - बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा,

9. मेघदूतम्, अष्टव्याख्याविभूषितम्-प्रधानसम्पादकः - मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, सम्पादकः – जगदीश शर्मा, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जयिनी, 2009

10. Uttararamacaritam M.R. Kale. M.L.B.D. Delhi, 1962

11. Uttararamacaritam, P.V. Kane, M.L.B.D.. Delhi, 1962 12. Uttararamacaritam, Saradaranjan Ray, Calcutta

13. Meghadoota of Kalidasa, Ed. C. R. Devadhar, MLBD, Delhi.

14. Meghadoota of Kalidasa, Ed. MR. Kale, MLBD, Delhi

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स

DCC

इतिहास और पुराण ग्रंथों का परिचय

इकाई: I

पुराण वायुपुराण- 62 (पृथुचरित)

मार्कण्डेयपुराण- 25 (मदालसा उद्बोधन)

इकाई: II

रामायण- 3/16/1-42 (हेमन्तवर्णन)

5/15 (अशोकवनिका में सीता)

(महाभारत) उद्योगपर्व - 131-134 (विदुरापुत्रानुशासनम्)

भगवद्गीता 15 वाँ अध्याय

इकाई: III

(पुराणेतिहास सर्वेक्षण)

पुराण - परिभाषा, विभाजन, पुराण एवं उपपुराणों की विषयवस्तु की भाषा और शैली, भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व।

रामायण एवं महाभारत - कालनिर्धारण, विभाग, विषयवस्तु, काव्यात्मक, ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक आदि दृष्टि से महत्व।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. साहित्यरत्नकोश भाग-2. पुराणेतिहाससंग्रहः, साहित्य अकादमी, नईदिल्ली, 1959

2. वायुपुराण, विष्णुपुराण, मार्कण्डेयपुराण, नाग प्रकाशन, दिल्ली

3. Mahabharata, Critical Edition. BORI, Poona.

4. Mahabharata Text, pub. Gita Press, Gorakhpur.

5. Ramayana with Hindi trans., Gita Press. Gorakhpur.

6. उपाध्याय, बलदेव, पुराणविमर्श,

7. चतुर्वेदी, गिरिधरशर्मा पुराणपरिशीलन, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद् 1970-

8. व्यास, भोलाशंकर. (सम्पा.) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास. (III आर्षखण्ड) उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, 2000

9. Rochero. Ludo. The Puranas (A History of IndianLiterature). Vol. IV. Otto Harrassowitz. Wiesbaden, 1986.

10. Hopkins, E.W., The Great Epic of India, Reprinted by PunthiPushtaka, Calcutta, 1969

11. Ramayana with four commentaries by Govindaraja& others. Lakshmi Venkateswara Press, Bombay, 1935

12. Ramayana ed. by ChinnaswamiSastrigal and V.H. Subrahmanyam Shastri, Pub. by N. Ramaratham, Madras, 1958

13. Mahabharata with Neelakantha's Commentary. Chirtasala Press, Poona, 1929- 33

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स

DCC

दर्शन: न्याय और वेदांत

इकाई: I

तर्कभाषा (केशवमिश्र) - शास्त्र की त्रिविध प्रवृत्तियाँ, कारण, करण एवं अन्यथासिद्ध, प्रमाणस्वरूप एवं तद्भेद - प्रत्यक्ष।

इकाई: II

तर्कभाषा (केशवमिश्र) - अनुमान, उपमान एवं शब्द, अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि का स्वरूप तथा तद्विषयक विप्रतिपत्तियों का निरास, प्रामाण्यवाद, प्रमेयनिरूपण आत्मा, दुःख एवं अपवर्ग के साथ सभी प्रमेय संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा एवं हेत्वाभास ।

इकाई: III

वेदान्तसार (सदानन्द) - अधिकारिनिरूपण, वेदान्त, अनुबन्धचतुष्टयनिरूपण, अध्यारोप, अज्ञान का स्वरूप एवं अज्ञान की शक्तियाँ, प्रपञ्चनिरूपण जाग्रदादि तीनों अवस्थाओं एवं शरीरों में व्याप्त पञ्चकोशोपेत अज्ञान की समष्टि एवं व्यष्टि तथा तदुपहित चैतन्यों का निरूपण, सृष्टिप्रक्रिया एवं पञ्चीकरण, आत्मस्वरूप विषयक विप्रतिपत्तियाँ एवं उनका निराकरण, अपवाद, महावाक्यार्थनिर्णय, वृत्ति के कार्य एवं उसके भेद, श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति ।

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. तर्कभाषा - केशवमिश्र (व्याख्याकार), आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, चौखम्बा संस्कृत ऑफिस,

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

वाराणसी, 1963

2. तर्कभाषा - केशवमिश्र (व्याख्याकार), आचार्य बदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1968

3. तर्कभाषा - केशवमिश्र (व्याख्याकार), श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1972

4. वेदान्तसार- सदानन्द (व्याख्याकार), सन्त नारायण श्रीवास्तव, पीयूष प्रकाशन, इलाहाबाद, - 1968

5. वेदान्तसार - सदानन्द - (व्याख्याकार), आचार्यबदरी नाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1979

6. वेदान्तसार - सदानन्द - (व्याख्याकार), आचार्य राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2001

7. Tarkbhāśā kesava Misra (ed and tr) S.R. Iyer, Chaukhamba Orientalia, Delhi, 1979

8. अवस्थी, ब्रह्ममित्र – भारतीय न्यायशास्त्र एक अध्ययन, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, 1967

9. Deussen, Paul - Philosophy of Upanishads, Education Enterprise, Calcutta, 1972

10. Dasgupta, S.N. - History of Indian Philosophy, M.L.B.D., Delhi, 1975

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स

DSE / GE

व्याकरण : लघुसिद्धांतकौमुदी

इकाई: I

अष्टाध्यायी की संरचना, सूत्रों के प्रकार (उदाहरण सहित), सूत्रों में प्रयुक्त पदों में विभक्तियों के विशिष्टार्थ, सूत्रार्थोपयोगी प्रमुख परिभाषाएं (षष्ठी स्थानेयोगा, अलोऽन्त्यस्य ङिच्च, यस्मिन् विधिस्तदा...., येन विधिस्तदन्तस्य तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य तस्मादित्युत्तरस्य, अनेकालशित्सर्वस्य, आदेः परस्य अन्तादिवच्च स्थानेऽन्तरतमः तपरस्तत्कालस्य, अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः (सूत्रव्याख्यापद्धति में उपर्युक्त परिभाषाओं के प्रयोग)

इकाई: II

सुबन्तप्रकरणः

पुल्लिङ्ग- राम, सर्व, हरि, सखि

स्त्रीलिङ्ग - रमा, सर्वा, मति, तिसृ

नपुंसकलिङ्ग - ज्ञान, वारि

हलन्त पुल्लिङ्ग - इदम् राजन्

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

इकाई: III

तिङन्त-

भ्वादिगण: भू एवं एधृ, **अदादिगण:** अद् एवं हन्, **जुहोत्यादिगण:** हु एवं दा, **दिवादिगण:** दिव् एवं नृत्, **स्वादिगण:** सु एवं चि, **तुदादिगण:** तुद् एवं मुच्।

रुधादिगण: रुध एवं भुज्, **तनादिगण:** तन् एवं कृ, **क्र्यादिगण:** क्री एवं ज्ञा, **चुरादिगण:** चुर् एवं कथ

तिङन्त प्रक्रिया: ण्यन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुङन्त, नामधातु एवं लकारार्थ ।

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गीताप्रेस गोरखपुर ।

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, निर्णयसागरप्रेस, मुम्बई ।

3. शास्त्री, भीमसेन. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, भाग 1-6, भैमी प्रकाशन, दिल्ली ।

4. कुशवाहा, महेशसिंह. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भाग1-2, चौखम्बा दिल्ली ।

5. शर्मा, गोविन्दप्रसाद, 2007. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भाग1-3, चौखम्बा प्रतिष्ठान - दिल्ली ।

6. शास्त्री, धरानन्द,लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल व हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली ।

7. सिंह, सत्यपाल. 2014 लघुसिद्धान्तकौमुदी, शिवालिक प्रकाशन- दिल्ली ।

8. गौड, बिशनलाल पाणिनीय अष्टाध्यायी के रचना - सिद्धान्त, लोकालोक प्रकाशन, साहिबाबाद (गा. बाद.) ।

9. जिज्ञासु, पं. ब्रह्मदत्त संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि की भूमिका रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ, हरियाणा ।

10. चन्द्रा, सुभाष कुमार, भूपेन्द्र कुमार, विवेक एवं साक्षी. 2017. लघुसिद्धान्तकौमुदी आधारित कम्प्यूटरकृत सुबन्तरूपसिद्धिप्रक्रिया. विद्यानिधि प्रकाशन, नई दिल्ली।

11. Kanshiram. 2010. The Laghusiddhantakaumudi of Varadaraja, volume I, II, Moti Lal Banarasidas, Delhi.

12. Sharma, Prof. Ramanath Ashtadhyayi of Panini (vol.1)

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

द्विवर्षीय अधिस्नातक

संस्कृत साहित्य

द्वितीय सेमेस्टर

सामान्य ऐच्छिक कोर्स

DSE / GE

भारतीय पुरालिपि शास्त्र

इकाई: I

1. भारत में लेखन कला की प्राचीनता
2. प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली लिपियों का वर्णन
3. भारतीय लिपियों की उत्पत्ति
4. अशोक के काल से लेकर 8 वीं शती तक ब्राह्मी लिपि एवं खरोष्ठी लिपि का विकास

इकाई: II

1. लेखनकला की सामग्री, पुस्तकालय एवं संग्रहालय का प्रयोग
2. लेखन एवं उत्कीर्णन का व्यवसाय
3. अभिलेखों के वर्गीकरण
4. अभिलेखों के संकलन के प्रकार
5. अभिलेखों में आगतसंवत्

क) विक्रमसंवत्, ख) शकसंवत्, ग) गुप्तसंवत्, घ) हर्षसंवत्

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

इकाई: III

भारत में अभिलेख के अध्ययन का इतिहास

अभिलेखों के अध्ययन का महत्त्व

सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:

1. ओझा, गौरीशंकर हीराचंद - भारतीय प्राचीन लिपिमाला, अजमेर, 1918. मुंशीराम मनोहरलाल, दिल्ली, 1971

2. पाण्डेय, राजबली - भारतीयपुरालिपि, वॉल्यूम 1, इलाहाबाद, 1978

3. ब्यूलर जॉर्ज - भारतीय पुरालिपिशास्त्र (अनुवादक) मघलनाथसिह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1966

4. राय, एस. एन. - भारतीय पुरालिपि एवं अभिलेख, शारदापुस्तक भवन, इलाहाबाद, 1994

5. वाजपेयी, कृष्णदत्त (अनु-) - भारतीयपुरालिपिविद्या, विद्यानिधि, दिल्ली, 1996

6. Buhler, George. On the Origin of the Brahmi Alphabet, Chaukhamba Sanskrit Series, Varanasi. 1963

7. Dani, A.N. Indian Paleography, Oxford, 1963. Munshiram Manoharlal.. 1986 8. Mukharjee, B.N. Origin of Brahmi and Kharoshthi Script, Progressive Publication, Calcutta, 2005

9. Ramesh, K. V. Indian Epigraphy, Delhi, 1984

10. Salomon, Richard. Indian Epigraphy, A Guide to The Study of Inscriptions-Sanskrit, Prakrit & Other Indian Languages, Munshi Ram Manohar Lal Publishers Pvt. Ltd.. Delhi. 1998.

11. Sircar. D.C. Indian Epigraphy, Moti Lal Banarasi Dass, Delhi, 1996

12. Upasak. C. S.. The History and Paleography of the Mauryan Brahmi Script, Nava

13. Nalanda Mahavihar. Nalanda. 1960 14. Vasishtha, R.K. Brahmi Script, Nag Publication, Delhi, 2001

15. Verma T.P. The Paleography of Brahmi Script in North India, Varansi, 1971.

नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)